भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 520

जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

बिहार में नदियों को आपस में जोड़ना

520. श्री कौशलेन्द्र कुमारः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में नदियों को आपस में जोड़ने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पूर्व में कार्यान्वित की गई योजनाओं में कोई खामियां पाई गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या बिहार को प्रतिवर्ष बाहर से नदियों में छोड़े गए प्रलयकारी बाढ़ के पानी का खामियाजा भुगतना पड़ता है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत बिहार की किन नदियों को आपस में जोड़े जाने का प्रस्ताव है और इसके कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): भारत सरकार ने वर्ष 1980 में जल के अधिशेष बेसिनों से कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल अंतरण करने के लिए नदियों को आपस में जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना तैयार की। राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी को इस राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत नदियों को आपस में जोड़ने का कार्य सौंपा गया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत 30 आईएलआर परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिनमें दो घटक अर्थात् हिमालयी घटक (14 परियोजनाएं) और प्रायद्वीपीय घटक (16 परियोजनाएं) हैं। 11 लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, 26 लिंक परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट और 30 लिंक परियोजनाओं की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी की जा चुकी हैं।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत आईएलआर परियोजनाओं की स्थिति का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिए गए हैं।

(ग): एनपीपी के तहत केन-बेतवा लिंक परियोजना पहली आईएलआर परियोजना है, जिसके कार्यान्वयन की शुरुआत दिसंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई मंजूरी के बाद हुई। इस परियोजना को मार्च 2030 तक पूरा किए जाने की योजना है।

(घ): बिहार राज्य बाढ़ के प्रभाव को झेलता है, जो उत्तर बिहार की नदियों जैसे गंडक, बुरही गंडक, बागमती, कमला, कोसी और महानंदा में बढ़े हुए प्रवाह के कारण आती है और यह मुख्य रूप से नेपाल में स्थित ऊपरी कैंचमेंट क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण बनता है।

(ङ): एनपीपी के तहत, छह आईएलआर परियोजनाएं बिहार राज्य को लाभान्वित करती हैं। इसके अलावा, बिहार सरकार से एनडब्ल्यूडीए को दस अंतर-राज्य लिंक प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। इन दस अंतर-राज्य लिंक के पीएफआर एनडब्ल्यूडीए द्वारा तैयार किए गए, जिनमें से तीन लिंक को तकनीकी रूप से व्यवहार्य पाया गया है। बिहार राज्य से संबंधित आईएलआर और तीन तकनीकी रूप से व्यवहार्य अंतर-राज्य लिंक परियोजनाओं का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

आईएलआर परियोजनाओं के पूर्ण होने की समयावधि संबंधित आईएलआर परियोजनाओं के संबंध में पक्षकार राज्यों के बीच सहमति बनने और उनके कार्यान्वयन के लिए लिंक विशिष्ट समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने पर निर्भर करता है।

जहां तक अंतर-राज्य लिंक, कोसी-मेची अंतर-राज्य लिंक परियोजना के संबंध में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का संबंध है, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग संबंधी सलाहकार समिति द्वारा उसकी दिनांक 08.03.2024 को हुई बैठक में उसे वर्ष 2022-23 मूल्य स्तर पर 6,282.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर स्वीकार कर लिया गया है। बाद में, इस परियोजना के लिए निवेश मंजूरी जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा दी गई और तत्पश्चात, इस परियोजना को दिनांक 21.11.2024 को हुई बैठक में सार्वजनिक निवेश बोर्ड द्वारा प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना - त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत शामिल किए जाने के लिए समुचित रूप से सिफारिश की गई है।

इसके अलावा, उपलब्ध सूचना के अनुसार, तीन अंतर-राज्य लिंक परियोजनाएं, अर्थात्; बागमती - बुरही गंडक नदी लिंक (बेलवाधार), बागमती- बुरही गंडक (शांति धार) और गंडक- अकाली नाला (छड़ी) – गंडकी – माही - गंगा लिंक बिहार सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही हैं और इन परियोजनाओं को वर्ष 2025 तक पूरा किए जाने की योजना है।

*****

अनुलग्नक-I

"बिहार में नदियों को आपस में जोड़ना" के संबंध में दिनांक 06.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 520 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी परियोजनाओं का ब्यौरा और मौजूदा स्थिति

प्रायद्वीपीय घटक

क्र.सं.	नाम	लाभान्वित राज्य	स्थिति
1	क. महानदी (मणिभद्र) - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और (एपी) ओडिशा	एफआर पूर्ण
	ख. वैकल्पिक महानदी (बरमूल) - ऋषिकुल्या - गोदावरी (दौलैस्वरम) लिंक	आंध्र प्रदेश और ओडिशा	एफआर पूर्ण
2	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक@	आंध्र प्रदेश	एफआर पूर्ण
3	क) गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक	तेलंगाना	एफआर पूर्ण
	ख) वैकल्पिक गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) लिंक *	तेलंगाना	डीपीआर पूर्ण
4	गोदावरी (इंचमपल्ली/एसएसएमपीपी) - कृष्णा (पुलिचिंताला) लिंक	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
5	क) कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक	आंध्र प्रदेश	एफआर पूर्ण
	ख) वैकल्पिक कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमसिला) लिंक *	आंध्र प्रदेश	डीपीआर पूर्ण
6	कृष्णा (श्रीशैलम) – पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश	मसौदा डीपीआर पूर्ण
7	कृष्णा (अलमाटी) – पेन्नार लिंक	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	मसौदा डीपीआर पूर्ण
8	क) पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक	आंध्र प्रदेश, तमिल नाडु और पुद्दुचेरी	एफआर पूर्ण
	ख) वैकल्पिक पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक *	आंध्र प्रदेश, तमिल नाडु और पुद्दुचेरी	डीपीआर पूर्ण

9	कावेरी (कट्टलाई) - वैगई - गुंडर लिंक	तमिल नाडु	डीपीआर पूर्ण
10	क) पार्बती-कालीसिंध - चंबल लिंक	मध्य प्रदेश और (एमपी) नराजस्था	एफआर पूर्ण
	ख) संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक (ईआरसीपी के साथ विधिवत एकीकृत)	मध्य प्रदेश और राजस्थान	मसौदा डीपीआर पूर्ण
11	दमनगंगा - पिंजल लिंक	महाराष्ट्र	डीपीआर पूर्ण
12	पार-तापी-नर्मदा लिंक	गुजरात और महाराष्ट्र	डीपीआर पूर्ण
13	केन-बेतवा लिंक	उत्तर प्रदेश (यूपी) और मध्य प्रदेश	डीपीआर पूर्ण और परियोजना का कार्य चल रहा है।
14	पंबा - अचनकोविल - वैप्पर लिंक	तमिलनाडु और केरल	डीपीआर पूर्ण
15	बेदती - वरदा लिंक*	कर्नाटक	एफआर पूर्ण
16	नेत्रवती – हेमवती लिंक**	कर्नाटक	पीएफआर पूर्ण

* मणिभद्र और इंचमपल्ली बांधों पर लंबित सहमति के कारण गोदावरी नदी के अप्रयुक्त जल को मोड़ने के लिए वैकल्पिक अध्ययन किया गया था और गोदावरी (इंचमपल्ली जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाओं की डीपीआर का कार्य पूरा कर लिया गया था। गोदावरी-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजना तैयार कर ली गई है जिसमें गोदावरी (इंचमपल्ली जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुन सागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला) और पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक परियोजनाएं शामिल हैं।

**आगे के अध्ययन शुरू नहीं किए गए हैं क्योंकि कर्नाटक सरकार द्वारा यट्टीनाहोल परियोजना के कार्यान्वयन के बाद, इस लिंक के माध्यम से नेत्रावती बेसिन में पानी के डायवर्जन के लिए कोई अधिशेष पानी उपलब्ध नहीं है।

@ गोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक- इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया है।

@@ बेदती-वरदा लिंक- इसकी पीएफआर तैयार होने के बाद सीधे डीपीआर तैयार किया गया था, कोई एफआर तैयार नहीं की गयी थी।

<u>हिमालयी घटक</u>

क्र.सं.	नाम	देश/लाभान्वित राज्य	स्थिति
1.	कोसी-मेची लिंक	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूर्ण
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
3.	गंडक - गंगा लिंक	यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
4.	घाघरा-यमुना लिंक	यूपी और नेपाल	मसौदा एफआर पूर्ण
5.	सारदा-यमुना लिंक	यूपी और उत्तराखंड	एफआर पूर्ण
6.	यमुना-राजस्थान लिंक	हरियाणा और राजस्थान	एफआर पूर्ण
7.	राजस्थान-साबरमती लिंक	राजस्थान और गुजरात	एफआर पूर्ण
8.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	मसौदा एफआर पूर्ण
9.	सोन बांध गंगा लिंक की - दक्षिणी सहायक नदियाँ	बिहार और झारखंड	मसौदा एफआर पूर्ण
10.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	एफआर पूर्ण
11.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूर्ण व प्रस्ता) वापिस ले लिया गया (है
12.	फरक्का-सुंदरबन लिंक	पश्चिम बंगाल	एफआर पूर्ण
13.	गंगा (फरक्का) - दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	एफआर पूर्ण
14.	सुवर्णरेखा-महानदी लिंक	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	एफआर पूर्ण

*****

अनुलग्नक-II

"बिहार में नदियों को आपस में जोड़ना" के संबंध में दिनांक 06.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 520 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

बिहार से संबंधित आईएलआर परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र.सं.	नाम	लाभान्वित राज्य/देश	स्थिति
1.	कोसी-मेची आईएलआर परियोजना	बिहार और नेपाल	पीएफआर पूर्ण
2.	कोसी-घाघरा लिंक	बिहार, यूपी और नेपाल	एफआर पूर्ण
3.	चुनार-सोन बैराज लिंक	बिहार और उत्तर प्रदेश	मसौदा एफआर पूर्ण
4.	सोन बांध - गंगा लिंक की दक्षिणी सहायक नदियां	बिहार और झारखंड	मसौदा एफआर पूर्ण
5.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) लिंक	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	एफआर पूर्ण
6.	जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	असम, पश्चिम बंगाल और बिहार	पीएफआर पूर्ण (प्रस्ताव वापिस ले लिया गया है)

बिहार सरकार से प्राप्त अंतर-राज्य लिंक प्रस्तावों का ब्यौरा, जिन्हें व्यवहार्य पाया गया

क्र.सं.	अंतर-राज्य लिंक का नाम	नदी	पीएफआर/डीपीआर की मौजूदा स्थिति
1.	कोसी–मेची अंतर-राज्य लिंक [पूरी तरह से भारत में स्थित है]	कोसी-मेची	डीपीआर पूर्ण
2.	बुढी गंडक– नून–बाया-गंगा	बुढी गंडक, नून, बाया और गंगा	डीपीआर पूर्ण
3.	कोसी-गंगा	कोसी और गंगा	पीएफआर पूर्ण

*****